अध्याय–4

न्यादर्षों की वैयक्तिक तथा सामाजिक–आर्थिक पृश्ठभूमि

प्रस्तुत अध्याय के अन्तर्गत सूचनादात्रीओं का सामान्य विष्लेशण किया गया है जिससे आषय यहाँ पर सूचनादात्रीओं की वैयक्तिक एवं सामाजिक–आर्थिक पृश्ठभूमि से है। अनुसंधित्सु ने मथुरा जनपद की सभी 400 सेवानिवृत्त महिलाओं जिन्हें अध्ययनार्थ न्यादर्ष (सूचनादात्रियॉ) चुना गया है; के धर्म, निवास की पृश्ठभूमि, आयु, जाति, षैक्षिक स्तर, वैवाहिक स्तर, परिवार का प्रकार व स्वरूप, पारिवारिक सदस्य (आकार), पूर्व एवं वर्तमान व्यवसाय, आय, व्यय, मासिक व्यय बजट, पारिवारिक स्तर (प्रस्थिति), परिवार कल्याण के दृश्टिकोण, स्वयं के परिवारों की सामाजिक–आर्थिक दषाओं के दृश्टिकोण इत्यादि परिवर्त्यों **;टंतपंइसमेद्ध** का अध्ययन किया गया है ताकि प्रस्तावित षोध अध्ययन को अधिक गहन एवं अर्थपूर्ण बनाया जा सके। वैसे भी तथ्यों की जानकारी, विष्लेशण तथा सामान्यीकरण के लिए यह आवष्यक होता है कि अध्ययन किए जाने वाली सभी सेवानिवृत्त महिलाओं की सामान्य विषेशताएं जानकर उनका तार्किक विष्लेशण किया जाय। निम्न तालिका नं. 4(1) अध्ययनार्थ चयनित कुल 400 सेवानिवृत्त महिला न्यादर्षों की धार्मिक संरचना दर्षाती हैः

तालिका नं0 4(1): न्यादर्षों का धर्म सापेक्ष वितरण

क्रम	धर्मवृत्तिका	आवृत्तियॉ	प्रतिषत
1	हिन्दू	367	91.75
2	मुसलमान	28	07.00
3	अन्य (सिक्ख, ईसाई)	05	01.25
	समस्त	400	100.00

प्रस्तुत तालिका के प्राथमिक तथ्यों के विष्लेशण के आलोक से स्पश्ट है कि अध्ययनार्थ चयनित कुल 400 न्यादर्षों में 367 (91.75:) सेवानिवृत्त हिन्दू, 28(7:) सेवानिवृत्त मुसलमान तथा मात्र 5(1.25:) सेवानिवृत्त सिक्ख तथा ईसाई चुनी गयी हैं। **स्पश्ट है कि समग्र में हिन्दू सूचनादात्रियों की बहुलता है।** निम्न तालिका 4(2) सभी 400 सेवानिवृत्त महिलाओं के निवास की पृश्ठभूमि पर प्रकाष डालती है–

तालिका नं0 4(2): महिला सेवानिवृत्तों की निवास की पृश्ठभूमि

क्रम	निवास की पृश्ठभूमि	आवृत्तियॉ	प्रतिषत
1	ग्रामीण	150	37.50
2	नगरीय	210	52.50
3	ग्रामीण–नगरीय	40	10.00
	समस्त	400	100.00

प्रस्तुत तालिका के प्राथमिक तथ्यों के विष्लेशण के प्रकाष में स्पश्ट है कि अध्ययनार्थ चयनित कुल 400 महिला सेवानिवृत्तों में से 150(37.50:) सेवानिवृत्त महिलाएं ग्रामीण, 210(52. 50:) सेवानिवृत्त महिलाएं नगरीय तथा मात्र 40(10:) सेवानिवृत्त महिलाएं ग्रामीण नगरीय (कस्बाई) पृश्ठभूमि की चुनी गयी हैं। सुस्पश्ट है कि समग्र में नगरीय पृश्ठभूमि की सेवानिवृत्त महिलाओं की बहुलता है।

निःसन्देह, मानव जीवन में आयु अत्यन्त महत्वपूर्ण होती है क्यों कि आयु एक ऐसा आधार है जिससे यह पता चलता है कि व्यक्ति की सोचने–विचारने तथा समझने की क्षमता कैसी होगी? जैसे–जैसे व्यक्ति की आयु बढ़ती जाती है, उसमें विचारषीलता, सहनषीलता व अनुकूलन (समायोजन) की क्षमता तथा अनुभव सभी बढ़ते जाते हैं तथा उचित समाजीकरण आयु वृद्धि के साथ–साथ होता रहता है। लेकिन एक निष्चित आयु (58 से ऊपर) प्रत्येक व्यक्ति में सेवानिवृत्ति सम्बन्धी सोच मस्तिश्क में स्वतः आने लगता है।

तालिका नं0 4(3): वर्तमान आयु सापेक्ष सेवानिवृत्त महिलाओं का वितरण

क्रम	सेवानिवृत्त महिलाओं की वर्तमान आयु (वर्शों में)	आवृत्तियॉ	प्रतिषत
1	61 वर्श से कम	220	55.00
2	61–65 वर्श	120	30.00
3	65–70वर्श	52	13.00
4	70 वर्श से अधिक	08	02.00
	समस्त	400	100.00

प्रसंगाधीन तालिका 4(3) के प्राथमिक आंकड़ों के विष्लेशण से स्पश्ट है कि अध्ययनार्थ चयनित कुल 400 सेवानिवृत्त महिलाओं में से 220(55:) सर्वाधिक सेवानिवृत्त महिलाओं की वर्तमान आयु 61 वर्श से कम, 120(30:) न्यादर्ष 61 से 65 वर्श आयु वर्ग की, 52(13:) न्यादर्ष 65 से 70 वर्श आयु वर्ग की तथा मात्र 8(2:) न्यादर्ष 70 वर्श व इससे भी अधिक आयु की पायी गयी हैं। निम्न तालिका 4(4) सामाजिक आधार पर सभी 400 महिला न्यादर्षों की जातीय संरचना पर संक्षिप्त प्रकाष डालती है–

तालिका नं0 4(4): सेवानिवृत्त महिलाओं का जाति सापेक्ष वितरण

क्रम	सेवानिवृत्तों की सामाजिक आधार पर जाति	आवृत्तियॉ	प्रतिषत
1	सवर्ण	184	46.00
2	पिछड़ी	168	42.00
3	अनुसूचित	48	12.00
	समस्त	400	100.00

प्रस्तुत तालिका 4(4) में प्रदर्षित प्राथमिक तथ्यों के विष्लेशण से स्पश्ट है कि अध्ययनार्थ चयनित कुल 400 सेवानिवृत्त महिलाओं में से 184(46:) महिलाएं सवर्ण जातियों, 168(42:) महिलाएं पिछड़ी जातियों तथा 48(12:) महिलाएं अनुसूचित जातियों की पायी गयी हैं। निम्न तालिका 4(5) सभी 400 सेवानिवृत्त महिला न्यादर्षों की जातिगत स्थिति दर्षाती है–

तालिका नं0 4(5): सेवानिवृत्त महिलाओं का जाति सापेक्ष वितरण

क्रम	सेवानिवृत्तों का जाति विवरण	आवृत्तियॉ	प्रतिषत
1	सवर्ण : ब्राह्मण	48	12.00
	ठाकुर	104	26.00
	वैष्य	12	03.00
	कायस्थ	20	05.00
2	पिछड़ी : यादव	36	09.00
	अहीर	14	03.50
	लोधी	04	01.00
	जाट	92	23.00
	बघेल/पाल	16	04.00

	नाई	04	01.00
	बढ़ई	02	00.50
3	अनुसूचित : जाटव	05	01.25
	चमार	02	00.50
	मीना / मैना	32	08.00
	धोबी	03	00.75
	कुम्हार	01	00.25
4	अन्य : (सिक्ख / ईसाई)	05	01.25
	समस्त	400	100.00

प्रस्तुत तालिका नं. 4(5) में प्रस्तुत सभी 400 सेवानिवृत्त महिला न्यादर्षों के जाति सापेक्ष वितरण के अनुसार न्यादर्षों में **184 सवर्णों में** 48(12:) न्यादर्ष ब्राह्मण, 104(26:) न्यादर्ष ठाकुर (क्षत्रिय), 12(3:) न्यादर्ष वैष्य, 20(5:) न्यादर्ष कायस्थ, **168 पिछड़ों में** 36(9:) न्यादर्ष यादव, 14(3.50:) न्यादर्ष अहीर, 4(1:) न्यादर्ष लोधी, 92(23:) न्यादर्ष जाट, 16(4:) न्यादर्ष बघेल / पाल, 4(1:) न्यादर्ष नाई, 2(0.50:) न्यादर्ष बढ़ई, **48 अनुसूचितों में** 5(1.25:) न्यादर्ष जाटव, 2(0.50:) न्यादर्ष चमार, 32(8:) न्यादर्ष मीना / मैना, 4(0.75:) न्यादर्ष धोबी / दिवाकर, 1 (0.25:) न्यादर्ष कुम्हार तथा अन्य 5(1.25:) न्यादर्ष (सिक्ख व ईसाई) पायी गयी हैं। उक्त तथ्यों के चक्षु अवलोकन से स्पश्ट होता है कि **सवर्णों में:** ठाकुर (राजपूत) व ब्राह्मण, **पिछड़ों में:** यादव और जाटव, **अनुसूचितों में जाटव तथा** मीना (मैना) बाहुल्य में पायी गयी हैं। निम्न तालिका नं. 4(6) सभी 400 सेवानिवृत्त महिलाओं की पारिवारिक पृश्ठभूमि पर संक्षिप्त प्रकाष डालती है–

तालिका नं0 4(6): सेवानिवृत्त महिलाओं का पारिवारिक पृश्ठभूमि के सापेक्ष वितरण

क्रम	पारिवारिक पृश्ठभूमि	आवृत्तियॉ	प्रतिषत
1	ग्रामीण	184	46.00
2	नगरीय	200	50.00
3	ग्रामीण–नगरीय'	16	04.00
	समस्त	400	100.00

प्रसंगाधीन प्रस्तुत तालिका 4(6) सभी 400 सेवानिवृत्त महिलाओं की पारिवारिक पृश्ठभूमि दर्षाती है। अध्ययन से स्पश्ट है कि कुल 400 महिला न्यादर्षों में से 184(46:) महिला न्यादर्ष ग्रामीण पृश्ठभूमि, 200(50:) महिला न्यादर्ष नगरीय पृश्ठभूमि तथा 16(4:) महिला न्यादर्ष ग्रामीण–नगरीय ;त्नतइंदद्ध/कस्बाई पृश्ठभूमि के परिवारों की हैं। इस प्रकार संयोगवष सेवानिवृत्त चयनितों में 200 महिलाएं ग्रामीण तथा 200 महिलाएं नगरीय पृश्ठभूमि के परिवारों की चुनी गयी हैं। निम्न तालिका 4(7) सभी 400 अध्ययनार्थ चयनित महिला सेवानिवृत्तों की षैक्षिक स्थिति पर संक्षिप्त प्रकाष डालती है–

' ग्रामीण–नगरीय (कस्बाई) पृश्ठभूमि के न्यादर्षों को ग्रामीण पृश्ठभूमि के अन्तर्गत माना गया है क्योंकि मथुरा जनपद के प्रायः सभी कस्बे 'ग्रामीण' संस्कृति से ओतप्रोत पाए गए हैं।

तालिका नं0 4(7): षैक्षिक स्तर सापेक्ष सेवानिवृत्त महिलाओं का वितरण

क्रम	महिला सेवानिवृत्तों के षिक्षा का स्तर	आवृत्तियॉ	प्रतिषत
1	मैट्रिक/हाईस्कूल	94	23.50
2	इण्टरमीडिएट	90	22.50
3	स्नातक	136	34.00
4	स्नातकोत्तर	64	16.00
5	अन्य (तकनीकी प्रषिक्षण)	16	04.00
	समस्त	400	100.00

प्रसंगाधीन प्रस्तुत तालिका 4(7) के प्राथमिक तथ्यों के विष्लेशण से स्पश्ट होता है कि अध्ययनार्थ चयनित कुल 400 सेवानिवृत्त महिलाओं में 94(23.50:) महिलाएं मैट्रिक/हाईस्कूल, 90(22.50:) महिलाएं इण्टरमीडिएट, 136(34:) सर्वाधिक महिलाएं स्नातक, 64(16:) महिलाएं स्नातकोत्तर तथा 16(4:) महिलाएं उक्त योग्यताओं के साथ अन्य विभिन्न तकनीकी प्रषिक्षण प्राप्त पायी गयी हैं। सुस्पश्ट है कि समग्र में स्नातक योग्यता वाली महिला सेवानिवृत्त अधिकता में पायी गयी हैं। **षिक्षा के स्तरों को इसलिए जाना गया क्योंकि षिक्षा का प्रभाव प्रत्येक व्यक्ति के विचारों एवं व्यवहार पर पड़ता है। षिक्षा से वंचित व्यक्ति न तो अपने उत्तरदायित्वों को भली प्रकार समझ पाता है, और न ही अपने कर्तव्यों का उचित ढंग से**

निर्वहन कर पाता है। षिक्षा द्वारा व्यक्ति का चरित्र निर्माण तथा बौद्धिक विकास होता है, साथ ही षिक्षा प्राप्त व्यक्ति में मूल्यों, विचारों तथा परिस्थितियों से अनुकूलन/समायोजन करने की क्षमता का विकास, एक अषिक्षित व्यक्ति की अपेक्षा सर्वथा अधिक पाया जाता है। निम्न तालिका 4(8) सभी 400 सेवानिवृत्त महिला न्यादर्षों के तकनीकी व परम्परागत षैक्षिक स्तर दर्षाती है–

तालिका नं0 4(8): तकनीकी तथा परम्परागत षिक्षा सापेक्ष सेवानिवृत्त महिलाएं

क्रम	सेवानिवृत्त महिलाओं की तकनीकी व परम्परागत षिक्षा	आवृत्तियॉ	प्रतिषत
1	तकनीकी षिक्षाएं प्राप्त	36	09.00
2	परम्परागत षिक्षाएं	364	91.00
	समस्त	400	100.00

प्रस्तत प्रसंगाधीन तालिका 4(8) के प्राथमिक तथ्यों के विष्लेशण से स्पश्ट है कि अध्ययन की गयी कुल 400 सेवानिवृत्त महिला न्यादर्षों में 364(91:) महिलाएं परम्परागत षिक्षाएं (हाईस्कूल, इण्टर, बी.ए., बी.एस.सी., एम.ए., एम.एस.सी.) प्राप्त पायी हैं जबकि षेश 9: सेवानिवृत्त महिलाएं विभिन्न प्रकार की तकनीकी षिक्षाएं (इंजीनियरिंग डिप्लोमा/डिग्री होल्डर्स/डॉक्टर्स, परिचारिका प्रषिक्षण आदि) प्राप्त चुनी गयी हैं।

निम्न तालिका नं. 4(9) अध्ययन हेतु चयनित सभी 400 सेवानिवृत्त महिला न्यादर्षों के वर्तमान वैवाहिक स्तरों पर संक्षिप्त प्रकाष डालती है :–

तालिका नं0 4(9): वैवाहिक स्थिति सापेक्ष सेवानिवृत्त महिलाओं का वितरण

क्रम	सेवानिवृत्त महिलाओं की वर्तमान वैवाहिक स्थिति	आवृत्तियॉ	प्रतिषत
1	विवाहित (दाम्पत्य जीवन)	378	94.50
2	अविवाहित	02	00.50
3	अन्य (विधवा, तलाकषुदा)	20	05.00
	समस्त	400	100.00

निःसन्देह; व्यक्ति के जीवन में विवाह का विषेश महत्व है। वैवाहिक स्थिति के द्वारा ही व्यक्ति की पारिवारिक, सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक भूमिकाओं का पता चलता है; और

विवाह के बाद ही व्यक्ति के अपने कर्तव्यों व उत्तरदायित्वों आदि का ज्ञान/बोध होता है। इसलिए अनुसंधित्सु ने सेवानिवृत्त महिला न्यादर्षों की वर्तमान वैवाहिक स्थितियों के सन्दर्भ में भी जानकारी प्राप्त की है। सर्वेक्षण अध्ययन के अनुसार कुल 400 सेवानिवृत्त महिला न्यादर्षों में 378(94.50:) न्यादर्ष विवाहित पायी गयी हैं, जबकि मात्र 2(0.50:) न्यादर्ष अविवाहित और 20(5:) न्यादर्ष अन्य जिनमें 15 विधवाएं तथा 5 तलाकषुदा हैं। इन आनुभविक तथ्यों के आलोक में स्पश्ट है कि समग्र में सेवानिवृत्त महिलाओं में अधिकांषतः महिलाएं विवाहित/दाम्पत्य जीवनयापन कर रही हैं।

'परिवार' षब्द **;थ्ंउपसलद्ध** लैटिन भाशा के ''फेमुलस'' षब्द से ब्युत्पन्न है जिसका अर्थ– ''सेवक'' या ''सेवा करने वाला'' से है। इस प्रकार एक परिवार उन व्यक्तियों का समूह होता है जिसके सदस्य परस्पर सेवाभाव से अधिकार और कर्तव्य बोध तथा सहयोगार्थ एक साथ निवास करते हैं। इस रूप में परिवार की संरचना कर्तव्य प्रधान है। इसी प्रसंग में समाजषास्त्री **जी.डी. मिचैल**[1] **(1968)** का कथन है कि– **श्।सजीवनही `वबपवसवहपेजे ंतम बवदबमतदमक जींज जीम िउपसल पे जीम इेंपब नदपज व`िवबपंस वतहंदप्रंजपवदय जीम जमतउ श्ंिउपसलश पज `मसा`ि तमउंपदे वदम व`ि जीम उवेज सववेमसल कमपिदमक पद जीमपत अवबंइनसंतलण् प्द संतहम उमेंनतम जीपे ंतपेमे तिवउ ं बनतपवने तमसनबजंदबम वद जीम चंतज व`ि `वबपवसवहपेजेए ` कपेजपदबज तिवउ ंदजीतवचवसवहपेजेय जव `जनकल जीम पदेजपजनजपवद पजेमस`ि दक चमतींचे समे `नतचतपेपदहश्**

सामान्यतः परिवार, समाज की सर्वाधिक प्राथमिक, मौलिक इकाई तथा मेरूदण्ड माना जाता है। क्योंकि मनुश्य की जन्म से लेकर मृत्युपर्यन्त तक की सम्पूर्ण जीवन यात्रा (व्यवस्था) परिवार में ही की जाती है। मूर्धन्य समाजषास्त्री **मैकाइवर**[2] **(1959)** का कथन है कि ''परिवार ही समाज में सर्वाधिक प्राथमिक तथा महत्वपूर्ण समूह है।'' क्योंकि परिवार के अभाव में मनुश्य के सामाजिक जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। परिवार की समाजषास्त्रीय अवधारणा स्पश्ट करते हुए समाजषास्त्री **बर्गेस एण्ड लॉक**[3] **(1958)** ने लिखा है कि ''एक परिवार; विवाह, रक्त सम्बन्ध या गोद लेने के सम्बन्धों/बन्धनों से बंधे हुए व्यक्तियों का एक ऐसा समूह होता है जो एक गृहस्थी का निर्माण करते हैं; तथा एक दूसरे के साथ अन्तर्क्रियाएं करते हुए पति–पत्नी, माता–पिता, लड़के–लड़कियों और भाई–बहिनों आदि के रूप में अपने– अपने कर्तव्यों व उत्तरदायित्वों का निर्वाह करते हुए सामाजिक कार्यों को करते रहते हैं; और एक सामान्य संस्कृति का निर्माण करते हुए उनकी रक्षा करते हैं।'' इस प्रकार परिवार की अवधारणा, आषय तथा सामाजिक महत्व के सम्बन्ध में परिवार के महत्व की जो जानकारी हमें मिलती है, उससे स्पश्ट है कि व्यक्तियों की सामाजिक पृश्ठभूमि के

निर्धारण में; परिवार की भूमिका के निर्धारण के साथ–साथ परिवार हमारी संस्कृति के स्वरूप आदि को भी निर्धारित करता है। इसलिए यह जरूरी समझा गया कि सेवानिवृत्त महिलाओं जिनमें वे रह रही हैं; के परिवारों के स्वरूपों का भी अध्ययन किया जाय।

समाजषास्त्री मिचैल जी.डी.[4] (1957) की मान्यता है कि परिवार सामाजिक संगठन की आधारभूत इकाई है जिसके सभी सदस्य अपने–अपने कर्तव्यों तथा उत्तरदायित्वों का निर्वाह करते हैं, इस प्रकार परिवार की रचना कर्तव्य प्रधान हैं। क्योंकि अपने सदस्यों की सामाजिक–सांस्कृतिक पृश्ठभूमि के निर्धारण में परिवार की भूमिका अहम/ महत्वपूर्ण है। अग्रांकित तालिका नं. 4(10) सभी 400 सेवानिवृत्त महिला न्यादर्षों के परिवारों के स्वरूपों/प्रकृति पर संक्षिप्त प्रकाष डालती है–

तालिका नं0 4(10): परिवारों के स्वरूप सापेक्ष न्यादर्ष वितरण

क्रम	सेवानिवृत्त महिलाओं के निवास के परिवार	आवृत्तियॉ	प्रतिषत
1	संयुक्त	208	52.00
2	एकांकी	192	48.00
	समस्त	400	100.00

प्रस्तुत तालिका के प्राथमिक आंकड़ों के विष्लेशण से स्पश्ट है कि अध्ययनार्थ चयनित कुल 400 सेवानिवृत्त न्यादर्षों में से 208(52:) सेवानिवृत्त महिलाएं संयुक्त परिवारों तथा 192(48:) सेवानिवृत्त महिलाएं एकांकी परिवारों में रहती हैं। **अध्ययन में यह भी पाया गया है कि ग्रामीण परिवेष में रहने वाली अधिकांषतः सेवानिवृत्त महिलाएं संयुक्त परिवारों तथा षेश 48: सेवानिवृत्त महिलाएं एकांकी परिवारों से सम्बन्धित हैं।** निम्न तालिका नं. 4(11) सभी 400 सेवानिवृत्त महिला न्यादर्षों के परिवारों की पारिवारिक सदस्य संख्या पर संक्षिप्त प्रकाष डालती है–

तालिका नं0 4(11): पारिवारिक सदस्य–संख्या/परिवार का आकार

क्रम	परिवार में सदस्यों की संख्या तथा परिवार का आकार	आवृत्तियॉ	प्रतिषत
1	1–4 (लघु)	56	14.00
2	5–9 (मध्यम)	264	66.00
3	10 से ऊपर (विस्तृत)	80	20.00
	समस्त	400	100.00

सॉख्यकीषास्त्र के माध्य के सूत्र **Σगिध्छ** से औसत सदस्य प्रति परिवार 7.37 अर्थात् 7 सदस्य

प्रस्तुत प्रसंगाधीन तालिका 4(11) के प्राथमिक तथ्यों के विष्लेशण के प्रकाष में स्पश्ट है कि सर्वेक्षित कुल 400 सेवानिवृत्त महिला न्यादर्षों के परिवारों में से 56 (14:) न्यादर्ष परिवारों में 1 से 4 तक सदस्य, 264(66:) न्यादर्ष परिवारों में 5 से 9 तक सदस्य तथा 80(20:) न्यादर्ष परिवारों में 10 तथा 10 से भी अधिक सदस्य पाए गए हैं। षोधार्थिनी ने सांख्यकीय पद्धति से प्रति सेवानिवृत्त महिला परिवार सदस्य संख्या का भी परिकलन समान्तर माध्य के **Σगिध्छ** सूत्र से किया तो पाया कि प्रति सेवानिवृत्त न्यादर्ष परिवार 7.37 अर्थात् 7 सदस्य/परिवार पाए गए हैं।

यह निर्विवाद सत्य है कि प्रत्येक सामाजिक प्राणी को अपने स्वयं के **';मसद्धि** तथा अपने आश्रितों **;कमचमदकमदजेद्ध** के भरण पोशण के लिए कुछ न कुछ कार्य/व्यवसाय अवष्य करना पड़ता है। सामान्य अर्थ में जीविकोपार्जन के लिए किए जाने वाले वे क्रियाकलाप; जो अपेक्षाकृत अधिक नियमित तथा स्थायी होते हैं; व्यवसाय कहलाते हैं। लेकिन इस सन्दर्भ में **सर्वश्री इलियट एण्ड मैरिल[4] (1956)** ने लिखा है कि– **श्प्द बमतजंपद `मदेमए जीम उवेज निदकंउमदजंस इंम व िउिपसल`जंजने पे जीम वबबनचंजपवदंस`जंजने व िजीम ीनेइंदक ंदक जिीमत उवतम जींद वदम वजीमत`पदहसम बिजवतय पज कमजमतउपदमे जीम`जंजने व िउिपसल पद जीम`वबपंस`जतनबजनतमए कपतमबजसल इमबंनेम व िजीम`लउइवसपब`पहदपपिबंदबम व िजीम वबबनचंजपवद ं``लउइवस व िचतमेजपहम पदकपतमबजसल इमबंनेम ं जीम चतपदबपचंस`वनतबम व िउिपसल पदबवउमय पज कमजमतउपदमे जीम `जंदकंतक व िसपअपदह व िजीम उिपसल उमउइमते ंसेवश्ण**

स्पश्टतः परिवार की आय तथा परिवार का स्तर; व्यवसाय पर निर्भर करता है; जो परस्पर अनुलोमानुपाती होते हैं। षोधार्थिनी ने प्रस्तुत अध्ययन किए गए सभी 400 सेवानिवृत्त महिला न्यादर्षों के अवकाष प्राप्ति (सेवानिवृत्ति) से पूर्व किसी अन्य व्यवसाय या नौकरी में रूचि के बारे में दृश्टिकोण जाने हैं जिस पर निम्न तालिका नं. 4(12) संक्षिप्त प्रकाष डालती है–

तालिका नं0 4(12): सेवानिवृत्ति से पूर्व किसी अन्य व्यवसाय/कार्य में रूचि का विवरण

क्रम	व्यवसाय/कार्य सम्बन्धी विवरण	न्यादर्ष संख्या	प्रतिषत
1	घर गृहस्थी चलाने में	50	12.50
2	स्कूल खोलना	14	03.50
3	समाज कल्याण कार्य	32	08.00

4	कोई रूचि नहीं	304	76.00
	समस्त	400	100.00

सामान्यतः जब व्यक्ति सेवारत (कार्यरत) होते हैं तो वह अपने वर्तमान कार्य के अतिरिक्त किसी अन्य व्यवसाय में भी दिलचस्पी लेते हैं जिससे उनके खाली समय का भी सदुपयोग होता है, और उन्हें आर्थिक सन्तुश्टि भी मिलती है। प्रस्तुत तालिका द्वारा यह स्पश्ट होता है कि महिलाओं की सेवानिवृत्ति से पूर्व 50(12.50:) महिला न्यादर्षों की रूचि घर गृहस्थी के चलाने में थी, 14(3.50:) महिला न्यादर्ष स्कूल खोलने में रूचि तथा 32(8:) महिला न्यादर्षों की रूचि समाज कल्याण के कार्यों में थी जबकि 304(76:) महिला न्यादर्षों की सेवानिवृत्ति से पूर्व व्यवसाय करने सम्बन्धी कोई रूचि नहीं थी। निम्न तालिका नं. 4(13) सभी 400 सेवानिवृत्त महिला न्यादर्षों की वर्तमान समय में कार्य संलग्नता सम्बन्धी विवरण पर संक्षिप्त प्रकाष डालती है–

तालिका नं0 4(13): वर्तमान समय में सेवानिवृत्तों की कार्य संलग्नता

क्रम	सेवानिवृत्तों की कार्य संलग्नता	आवृत्तियॉ	प्रतिषत
1	घर गृहस्थी व कृशि कार्य	112	28.00
2	कोचिंग चलाना	74	18.50
3	सामाजिक कार्य	28	07.00
4	अन्य (जनरल स्टोर कम्प्यूटर सेंटर) आदि	49	12.25
5	कोई व्यवसाय नहीं	137	34.25
	समस्त	400	100.00

प्रस्तुत तालिका 4(13) अध्ययनार्थ चयनित सभी 400 सेवानिवृत्त महिला न्यादर्षों की वर्तमान समय में कार्य में संलग्नता स्पश्ट करती है 112(28:) सेवानिवृत्त न्यादर्ष घर गृहस्थी व कृशि कार्य, 74(18.50:) सेवानिवृत्त न्यादर्ष कोचिंग, 28(7:) सेवानिवृत्त न्यादर्ष सामाजिक कार्य, 49(12.25:) सेवानिवृत्त न्यादर्ष कम्प्यूटर सेन्टर, घर के जनरल स्टोर तथा 137(34.25:) सेवानिवृत्त न्यादर्ष अब कोई व्यवसाय नहीं करती हैं। इन आनुभविक तथ्यों के प्रकाष में स्पश्ट है कि अधिकांषतः सेवानिवृत्त महिलाएं सेवानिवृत्ति के पष्चात् कोई व्यवसाय नहीं करती हैं पेंषन से गुजर बसर करती हैं तो कुछ सहयोग के रूप में परिजनों के साथ किसी न किसी व्यवसाय में संलग्न पायी गयी हैं ताकि जीविकोपार्जन सुचारू चलता रहे। तालिका

नं0 4(12) तथा 4(13) के तथ्यों से प्रतीत होता है कि सेवानिवृत्ति से पूर्व अधिकांषतः सेवारत महिलाओं के पास इतना समय नहीं होता है कि वे घर गृहस्थी के अलावा किसी अन्य व्यवसाय में रूचि लें। अतिरिक्त समय में पारिवारिक कार्यों में संलग्न होकर सहयोग के रूप में हाथ बटाती हैं।

व्यक्ति के समायोजन (अनुकूलन) की क्षमता पर सबसे अधिक प्रभाव उसकी आय के स्तर का पड़ता है। यदि व्यक्ति की आय का स्तर उच्च होगा तो उसमें समायोजन/अनुकूलन की क्षमता भी अधिक होगी; और यदि व्यक्ति की आय का स्तर निम्न होगा तो उसमें समायोजन करने की क्षमता कम होगी तथा वह सामंजस्य स्थापित करने में समर्थ कम होगा; या सामंजस्य करने में असफल रहेगा। षोधार्थिनी ने प्रस्तुत अध्ययन में सभी 400 सेवानिवृत्त महिला न्यादर्षों की मासिक आय के स्तरों को तीन भागों में विभक्त किया है; जिस पर निम्न तालिका नं. 4(14) संक्षिप्त प्रकाष डालती है–

तालिका नं0 4(14): सेवानिवृत्त महिला न्यादर्षों के परिवारों की मासिक आय (रू0 में)

क्रम	सेवानिवृत्त महिला न्यादर्षों की मासिक आय	आवृत्तियॉ	प्रतिषत
1	20,000 से कम	85	21.25
2	20,000–30,000	180	45.00
3	30,000 से ऊपर	135	33.75
	समस्त	400	100.00

प्रस्तुत तालिका के प्राथमिक तथ्यों के विष्लेशण के आलोक में स्पश्ट है कि अध्ययन की गयी कुल 400 सेवानिवृत्त महिलाओं में से 85 (21.25:) सेवानिवृत्तों के परिवारों की मासिक आय 20,000 रू0 तथा इससे कम है, 18(45:) सेवानिवृत्तों के परिवारों की मासिक आय 20,000 से 30,000 रू0 के मध्य है जबकि 135(33.75:) सेवानिवृत्त महिलाओं के परिवारों की मासिक आय 30,000 रूपये तथा इससे ऊपर पायी गयी है। सॉख्यकीय गणना द्वारा प्रति सेवानिवृत्त महिला परिवार की मासिक आय का परिकलन **Σगिध्छ** से करने पर औसतन आय प्रति परिवार 23275 रू0 मासिक पायी गई है। चूँकि प्रति सेवानिवृत्त महिला परिवार औसत सदस्य संख्या 7 ख्दृश्टब्यः तालिका नं. 4(12), पायी गयी है अतः प्रति सेवानिवृत्त महिला परिवार प्रति व्यक्ति आय 3325 रूपए हैं। जो वर्तमान मॅंहगाई के समय में कम है।

निम्न तालिका नं. 4(15) सर्वेक्षित सभी 400 सेवानिवृत्त महिला न्यादर्षों के मासिक व्यय (रू0 में) प्रदर्षित करती है–

तालिका नं0 4(15): सेवानिवृत्त महिलाओं के परिवारों के मासिक व्यय (रू0 में)

क्रम	सेवानिवृत्त महिला न्यादर्ष परिवार का मासिक व्यय (रू0में)	आवृत्तियॉ	प्रतिषत
1	10,000 रू0 से कम	60	15.00
2	10,000—20,000 रू0	225	56.25
3	20,000—30,000 रू0	80	20.00
4	30,000 रू0 तथा इससे अधिक	35	08.75
	समस्त	400	100.00
साँख्यकीय गणनानुसार औसत मासिक व्यय’ / सेवानिवृत्त परिवार 17250 रूपए			
औसतन मासिक व्यय सेवानिवृत्त परिवार प्रति व्यक्ति = 2464.29 रू0			

प्रस्तुत तालिका के प्राथमिक ऑकड़ों के विष्लेशण से स्पश्ट है कि अध्ययन की गयी कुल 400 सेवानिवृत्त महिला न्यादर्षों में से 60(15:) सेवानिवृत्त महिलाओं के परिवारों का मासिक व्यय 10,000 रू0 मासिक तथा इससे कम पाया गया है जबकि 225 (56.25:) सर्वाधिक सेवानिवृत्त महिलाओं के परिवारों का मासिक व्यय 10,000 से 20,000 रू0 के मध्य, 80(20:) सेवानिवृत्त महिलाओं के परिवारों का मासिक व्यय 20,000 रू0 से 30,000 रू0 के मध्य पाया गया है तथा 35(8.75:) सेवानिवृत्त महिलाओं के परिवार ऐसे भी पाए गए हैं जिनका मासिक व्यय 30,000 रू0 मासिक तथा इससे भी अधिक पाया गया है। प्रति व्यक्ति व्यय का

’ औसत मासिक व्यय की गणना साँख्यकीषास्त्र की केन्द्रीय प्रवृत्ति की माप ;डमेंनतम व् िब्मदजतंस ज्मदकमदबलद्ध के समान्तर माध्य के सूत्र Σगिध्छ से की गयी है।

भी परिकलन किया गया तो प्रति व्यक्ति मासिक व्यय 2464.29 रू0 पाया गया है। सेवानिवृत्त महिलाओं के परिवारों के आय व्यय का तुलनात्मक अध्ययन करने पर विदित हुआ कि प्रति परिवार प्रति माह 6025 रूपए अपने परिवार के भविश्य के लिए बचत कर लेता है। यही बचत परिजनों के साथ समायोजन/सामंजस्य ;।करनेजउमदजद्ध में व्यवधान उत्पन्न करती है। निम्न तालिका नं. 4(16) सभी 400 सेवानिवृत्त महिला न्यादर्ष परिवारों द्वारा किए जाने वाले मासिक व्यय बजट पर संक्षिप्त प्रकाष डालती है। यह जानकारी इसलिए की गयी ताकि यह जाना जा सके कि सेवानिवृत्ति के पष्चात् सेवानिवृत्त महिलाओं द्वारा विभिन्न मदों पर मासिक व्यय बजट बनाकर किया जाता है अथवा नहीं। अध्ययन से प्राप्त तथ्य निम्नवत् हैं—

तालिका नं0 4(16): मासिक व्यय बजट सापेक्ष विभिन्न मदों पर किए जाने वाले प्रतिषत व्यय

क्रम	मासिक व्यय की विभिन्न मदें	प्रतिषत
1	भोजन	26.10
2	वस्त्राभूशण	27.00
3	सामाजिक समारोह	08.80
4	मनोरंजन तथा भ्रमण	02.10
5	अन्य (षिक्षा व आतिथ्यि)	36.00
	समस्त	100.00

प्रस्तुत तालिका 4(16) सेवानिवृत्त महिलाओं द्वारा अपने परिवार पर विभिन्न मदों पर किए जाने वाले मासिक व्यय (: में) पर प्रकाष डालती है कि वे किस मद पर कितने प्रतिषत (औसतन) करती हैं। सर्वेक्षण से प्राप्त तथ्यों के अनुसार मासिक आय का 26.10: भोजन पर, 27: वस्त्राभूशणों पर, 8.80: सामाजिक समारोहों पर, 2.10: भ्रमण व मनोरंजन पर तथा सर्वाधिक 36: व्यय षिक्षा व आतिथ्य पर करती हैं। अध्ययनार्थ चयनित सभी 400 सेवानिवृत्त महिला न्यादर्षों से इसी प्रसंग में पूरक प्रष्न पृथक–पृथक तौर पर पूछा गया कि– ''क्या आप मासिक व्यय बजट बनाकर व्यय करती हैं?'' सभी 400 सेवानिवृत्त महिला न्यादर्षों से प्राप्त प्रत्युत्तरों पर निम्न तालिका 4(17) संक्षिप्त प्रकाष डालती है–

तालिका नं0 4(17): ''क्या आप मासिक व्यय; बजट बनाकर करती है''

क्रम	सेवानिवृत्त महिला न्यादर्षों के प्रत्युत्तर	आवृत्तियॉ	प्रतिषत
1	'हॉ'	234	58.50
2	'नहीं'	76	19.00
3	उदासीन	84	21.00
4	अनुत्तरित रहे	06	01.50
	समस्त	400	100.00

प्राप्त तथ्यों से सुस्पश्ट है कि कुल 400 सेवानिवृत्त महिला न्यादर्षों में से 234(58.50:) महिला न्यादर्ष परिवार मासिक व्यय; बजट बनाकर करती हैं जबकि 76(19:) महिला न्यादर्ष मासिक व्यय बजट बनाकर व्यय नहीं करती हैं। उदासीन अभिमत दर्षाने वाली 84(21:) महिला न्यादर्ष परिवार उदासीन उत्तर प्रदान करने वाली पायी गयी हैं; वहीं 6(1.50:) महिला

न्यादर्ष इस प्रष्न पर अनुत्तरित रही हैं। **इन प्राथमिक तथ्यों के विष्लेशण के प्रकाष में निश्कर्शतः कहा जा सकता है कि 'सेवानिवृत्त महिला परिवार; व्यय–बजट बनाकर 'मासिक व्यय' करते हैं क्योंकि (1) वे षिक्षित व अनुभव प्राप्त हैं तथा (2) वे अपनी मिलने वाली पेंषन से ही परिवार का गुजारा करना चाहती हैं; न कि परिवार पर आश्रित होकर अपना जीवनयापन।**

तालिका नं0 4(18): आवासों के प्रकार सापेक्ष सेवानिवृत्त महिलाओं का वितरण

क्रम	सेवानिवृत्तों के आवास का प्रकार	आवृत्तियॉ	प्रतिषत
1	'कच्चे'	––	00.00
2	'पक्के'	312	78.00
3	मिश्रित (कच्चे–पक्के)	88	22.00
	समस्त	400	100.00

सुस्पश्ट है कि अध्ययन की गयी कुल 400 सेवानिवृत्त महिला न्यादर्षों में से 312(78:) अर्थात् तीन चौथाई से अधिक न्यादर्षों के आवास 'पक्के' तथा 88(22:) न्यादर्षों के आवास मिश्रित (कच्चे–पक्के) प्रकार के पाए गए हैं। **निश्कर्शतः तीन चौथाई से अधिक सेवानिवृत्त महिलाओं के आवास 'पक्के' हैं।** पुनः सभी 400 सेवानिवृत्त महिला न्यादर्षों से पृथक तौर पर पूछा गया कि ''क्या आप अपनी वर्तमान आवासीय दषाओं से सन्तुश्ट हैं?'' सूचनादात्रियों से प्राप्त उत्तरों पर निम्न तालिका संक्षिप्त प्रकाष डालती है–

तालिका नं0 4(19): ''क्या आप अपनी वर्तमान आवासीय दषाओं से सन्तुश्ट हैं?'' –सेवानिवृत्त महिला न्यादर्षों के प्रत्युत्तर : थर्सटन मनोवृत्ति मापक के अनुसार

क्रम	सेवानिवृत्त महिला न्यादर्षों के अभिमत	आवृत्तियॉ	प्रतिषत
1	असन्तुश्ट	140	35.00
2	उदासीन	24	06.00
3	सन्तुश्ट	236	59.00
	समस्त	400	100.00

प्रस्तुत तालिका 4(19) के प्राथमिक तथ्यों के विष्लेशण से स्पश्ट है कि अध्ययन की गयी कुल 400 सेवानिवृत्त महिला न्यादर्षों में से 236(59:) न्यादर्ष अपनी वर्तमान आवासीय दषाओं से सन्तुश्ट पायी गयी हैं जबकि 140(35:) न्यादर्ष असन्तुश्ट मिली हैं। परन्तु 24(6:)

न्यादर्ष अपनी आवासीय दषाओं के प्रति उदासीन अभिमत दर्षाने वाली पायी गयी हैं। **निश्कर्शतः अधिकांषतः सेवानिवृत्त महिलाएं अपनी वर्तमान आवासीय दषाओं से सन्तुश्ट पायी गयी हैं।''– फिर भी अधिकांषतः सेवानिवृत्तों ने बताया कि अभी वे आवास में बहुत कुछ सुधार कराने की इच्छुक हैं।** निम्न तालिका नं. 4(20) लिकर्ट मनोवृत्ति मापक के अनुसार सभी 400 सेवानिवृत्त न्यादर्ष महिलाओं की स्वयं की आवासीय दषाओं के प्रति उनकी सन्तुश्टि के स्तरों पर संक्षिप्त प्रकाष डालती है–

तालिका नं0 4(20): आवासीय दषाओं के प्रति सेवानिवृत्त महिला न्यादर्षों के सन्तुश्टि स्तर : लिकर्ट मनोवृत्ति मापक के अनुसार

क्रम	स्वयं की आवासीय दषाओं के सन्तुश्टि स्तर	आवृत्तियॉ		प्रतिषत	
1	पूर्णतः असन्तुश्ट	36	140	09.00	35-00
2	आंषिकतः असन्तुश्ट	104		26.00	
3	उदासीन	24		06.00	
4	आंषिकतः सन्तुश्ट	124	236	31.00	59-00
5	पूर्णतः सन्तुश्ट	112		28.00	
	समस्त	400		100.00	

प्रसंगाधीन प्रस्तुत तालिका 4(20) के आंकड़ों के विष्लेशण से स्पश्ट है कि अध्ययन की गयी कुल 400 सेवानिवृत्त महिला न्यादर्षों में से 36(9:) महिला न्यादर्ष अपनी आवासीय दषाओं से पूर्णतः असन्तुश्ट, 104(26:) महिला न्यादर्ष अपनी आवासीय दषाओं से आंषिकतः असन्तुश्ट, 24(6:) महिला न्यादर्ष उदासीन, 124(31:) महिला न्यादर्ष आंषिकतः सन्तुश्ट तथा 112(28:) महिला न्यादर्ष अपनी आवासीय दषाओं से पूर्णतः सन्तुश्ट पायी गयी हैं। असन्तुश्ट होने का कारण सेवानिवृत्त महिलाओं ने अपने आवासों में उपलब्ध सुख–सुविधाओं का अभाव बताया। षोधार्थिनी ने सभी 400 सेवानिवृत्त महिला न्यादर्षों के परिवार कल्याण अपनाने के प्रति भी उनके दृश्टिकोण जाने गए कि वे किस तरह के परिवार की पक्षधर हैं? सर्वेक्षण से प्राप्त तथ्यों पर निम्न तालिका 4(21) संक्षिप्त प्रकाष डालती है–

तालिका नं0 4(21): परिवार के आकार के प्रति सेवानिवृत्त महिलाओं के दृश्टिकोण

क्रम	परिवार के प्रति सेवानिवृत्त महिलाओं के दृश्टिकोण	आवृत्तियॉ	प्रतिषत
1	सीमित परिवार	392	98.00

2	बड़ा परिवार	08	02.00
	समस्त	400	100.00

सर्वेक्षण अध्ययन से विदित हुआ है कि कुल 400 सेवानिवृत्त महिला न्यादर्षों में से 'परिवार के आकार के प्रति उनके दृश्टिकोण' के अनुसार 392(98:) महिला न्यादर्ष सीमित परिवार की पक्षधर पायी गयी हैं तथा मात्र 8(2:) सेवानिवृत्त महिला न्यादर्ष बड़े परिवार की पक्षधर पायी गयी हैं इन्होंने बताया कि हमारी बीमारी में बड़ा परिवार 'सहयोगी बन' सेवा सुश्रूशा करता है; किन्तु सीमित परिवार की पक्षधर सेवानिवृत्त महिलाओं ने बताया कि (1) 'सीमित परिवार, सुखी परिवार' (2) 'कम खर्च में काम चल जाता है' (3) 'सीमित परिवार का पालन पोशण, अनुषासन, समायोजन तथा समाजीकरण सहज हो जाता है' (4) सीमित परिवार, बच्चों के व्यक्तित्व विकास में सहायक है (5) सीमित परिवार में बच्चों की उचित देखरेख, पालन पोशण तथा श्रेश्ठ व उच्च षिक्षा दिलाने की सम्भावनाएं प्रबल रहती हैं जो बड़े परिवार के लिए नितान्त असम्भव है।

अनुसंधित्सु ने परिवार का सामाजिक स्तर (उच्च, मध्यम, निम्न) जानने की दृश्टि से भी जानकारियां हासिल की हैं; प्रष्न किया कि ''आपकी दृश्टि में आपका परिवार **'सामाजिक–आर्थिक दृश्टि से'** कैसा है?'' सभी 400 सेवानिवृत्त महिला न्यादर्षों से इस सन्दर्भ में प्राप्त उत्तरों पर निम्न तालिका 4(22) संक्षिप्त प्रकाष डालती है–

तालिका नं0 4(22): ''आपके परिवार का सामाजिक–आर्थिक स्तर कैसा है?''

–सेवानिवृत्त महिला न्यादर्षों से प्राप्त प्रत्युत्तर

क्रम	परिवार का सामाजिक आर्थिक स्तर (न्यादर्षों की दृश्टि से)	आवृत्तियॉ	प्रतिषत
1	निम्न	16	04.00
2	निम्न–मध्यम	84	21.00
3	मध्यम	140	35.00
4	मध्यम–निम्न	100	25.00
5	उच्च	60	15.00
	समस्त	400	100.00

प्रसंगाधीन प्रस्तुत तालिका 4(22) के प्राथमिक ऑकड़ों के विष्लेशण से स्पश्ट है कि अध्ययन की गयी कुल 400 सेवानिवृत्त महिलाओं में से अपने परिवार का सामाजिक–आर्थिक स्तर मात्र 12(4:) न्यादर्षों ने निम्न, 84(21:) न्यादर्षों ने परिवार का सामाजिक आर्थिक स्तर

निम्न–मध्यम, 140(35:) सर्वाधिक न्यादर्षों ने सामाजिक आर्थिक स्तर मध्यम, 100(25:) न्यादर्षों ने अपने परिवार का सामाजिक आर्थिक स्तर मध्यम–उच्च और मात्र 60(15:) न्यादर्षों ने अपने परिवार का सामाजिक–आर्थिक स्तर 'उच्च' बताया है। **निश्कर्शतः अधिकांषतः सेवानिवृत्त महिलाओं ने अपने स्वयं के परिवार का 'सामाजिक–आर्थिक स्तर' मध्यम तथा उच्च बताया।**

तालिका नं0 4(23): सेवानिवृत्त महिलाओं की पृश्ठभूमि : एक विहंगम दृश्टि में

क्रम	सेवानिवृत्त महिलाओं की पृश्ठभूमि	सम्बन्धित कारक/चर	आवृत्तियाँ (प्रतिषत)
1	धार्मिक संरचना :	हिन्दू	367(91.75)
		मुसलमान	28(07.00)
		अन्य (सिक्ख, ईसाई)	05(01.25)
2	निवास की पृश्ठभूमि (वर्तमान) :	ग्रामीण	150(37.50)
		नगरीय	210(52.50)
		ग्रामीण–नगरीय	40(10.00)
3	वर्तमान आयु (वर्शों में) :	61 वर्श से कम	220(55.00)
		61–65 वर्श	120(30.00)
		65–70 वर्श	52(13.00)
		70 वर्श से अधिक	08(02.00)
4	जातीय संरचना :	सवर्ण	184(46.00)
		पिछड़ी	168(42.00)
		अनुसूचित	48(12.00)
5	मूल निवास की पारिवारिक पृश्ठभूमि :	ग्रामीण	184(46.00)
		नगरीय	200(50.00)
		ग्रामीण–नगरीय	16(04.00)
6	षैक्षिक स्तर :	परम्परागत षिक्षएं	364(91.00)
		तकनीकी षिक्षाएं	36(09.00)
7	वैवाहिक संरचना :	अविवाहित	02(00.50)
		विवाहित (दाम्पत्य जीवन)	378(94.50)
		अन्य (विधवा, तलाकषुदा)	20(05.00)
8	परिवार की संरचना :	संयुक्त परिवार	208(52.00)
		एकांकी परिवार	192(48.00)
9	पारिवारिक सदस्य :	1–4 सदस्य (लघु)	56(14.00)
		5–9 सदस्य (मध्यम)	264(66.00)
		10 से ऊपर सदस्य (विस्तृत)	80(20.00)

.....क्रमषः तालिका 4(23)

10	सेवानिवृत्ति से पूर्व व्यवसायिक रूचि :	घर गृहस्थी चलाने में	50(12.50)
		स्कूल खोलना	14(03.50)
		समाज कल्याण कार्य	32(08.00)
		कोई रूचि नहीं	304(76.00)
11	वर्तमान में कार्य संलग्नता	कृशि कार्य व घर गृहस्थी संभालना	112(28.00)
		कोचिंग सेन्टर	
		सामाजिक कार्य	74(18.50)
		अन्य (जनरल स्टोर, कम्प्यूटर सेन्टर आदि)	28(07.00)
		कोई व्यवसाय नहीं	49(12.25)
			137(34.25)
12	न्यादर्षों की मासिक आय (रूपयो में) :	20000 से कम	85(21.25)
		20000 से 30000 रू0	180(45.00)

		30000 से अधिक	135(33.75)
13	न्यादर्षों के मासिक व्यय (रूपयों में) :	0–1000	60(15.00)
		10,000–20,000	225(56.25)
		20,000–30,000	80(20.00)
		30,000 तथा इससे अधिक	35(08.75)
14	मासिक व्यय बजट (प्रतिषत में) :	भोजन	(26.10)
		वस्त्राभूशण	(27.00)
		सामाजिक समारोह	(08.80)
		मनोरंजन	(02.10)
		मिश्रित व्यय (षिक्षा व आतिथ्य)	(36.00)
15	क्या आप परिवार का मासिक व्यय; बजट बनाकर करती हैं?	'हाँ'	234(58.50)
		'नहीं'	76(19.00)
		उदासीन	84(21.00)
		अनुत्तरित	06(01.50)
16	वर्तमान आवासों के प्रकारः	कच्चे	––(00.00)
		पक्के	312(78.00)
		मिश्रित (कच्चे–पक्के)	88(22.00)
17	आवासीय दषाओं के प्रति सन्तुष्टिः थर्सटन मत मापक के अनुसार	असन्तुश्ट	140(35.00)
		उदासीन	24(06.00)
		सन्तुश्ट	236(59.00)
18	आवासीय दषाओं के प्रति सन्तुश्टि स्तरः लिकर्ट मत मापक के अनुसार	पूर्णतः असन्तुश्ट	36(09.00)
		आंषिक असन्तुश्ट	104(26.00)
		उदासीन	24(06.00)
		आंषिक सन्तुश्ट	124(31.00)
		पूर्णत सन्तुश्ट	112(28.00)
19	परिवार कल्याण अपनाने के प्रति दृश्टिकोणः	सीमित परिवार के पक्षधर	392(98.00)
		बड़े परिवार के पक्षधर	08(02.00)
20	सेवानिवृत्त महिलाओं के परिवार का सामाजिक– आर्थिक स्तर :	निम्न	16(04.00)
		निम्न–मध्यम	84(21.00)
		मध्यम	140(35.00)
		मध्यम–उच्च	100(25.00)
		उच्च	60(15.00)

(नोट– कोश्ठकों के अन्तर्गत प्रदर्षित ऑकड़े प्रतिषतता दर्षाते हैं)

व्यक्तिगत सामंजस्य (समायोजन) तथा व्यक्तित्व का प्रकार, प्राप्त तथ्यों का विवरण :

मनोवैज्ञानिक **कोलमैन[5] (1969) ने लिखा है कि** ''समायोजन व्यक्ति द्वारा अपनी आवष्यकताओं की पूर्ति एवं कठिनाईयों का सामना करने के प्रयास का परिणाम होता है।'' आपने आगे लिखा है कि जिन व्यक्तियों का व्यक्तित्व परिपक्व होता है वे सामंजस्य षीघ्र कर लेते हैं; साथ ही ऐसे व्यक्तियों का मानसिक स्वास्थ्य भी श्रेश्ठ स्तर का होता है। अर्थात् परिपक्व व्यक्तित्व का मानसिक स्वास्थ्य तथा सामंजस्य से घनिश्ठ सम्बन्ध होता है। सेवानिवृत्तों हेतु नए समायोजन के लिए अनेकों वर्शों से बनी आदतों को छोड़ना पड़ता है जो

एक जटिल काम हैं; और यदि सामंजस्य सन्तोशजनक नहीं है तो व्यक्ति दुखी रहता है। एक अन्य स्थान पर आने लिखा है कि ''यह व्यक्तियों की मानसिकता पर निर्भर करता है कि वे सेवानिवृत्ति के प्रति कैसा दृश्टिकोण रखते हैं?''[6] तथा इस बात पर भी निर्भर करता है कि उसका अपने पेषे के प्रति तथा जीवन षैली के प्रति दृश्टिकोण क्या है? और उसमें समस्याओं से निपटने या समस्याओं का सामना करने की क्षमता कितनी है? बहुत से व्यक्ति सेवानिवृत्ति के पष्चात् से तनावग्रस्त तथा दबाव की अनुभूति करते हैं। अस्तु सेवानिवृत्ति के पष्चात् उनको भूमिका समायोजन ;त्वसम ।करनेजउमदजद्ध करने में समय लगता है। अधिकतर सेवानिवृत्त व्यक्ति यह सोचते हैं कि वे फिर सक्रिय बन जांय ताकि वे अवसाद, आत्मलीनता, आन्तरिक बैचेनी, निराषा और अकेलेपन से बचे रहें, और उनकी उपयोगिता व समाज में उनकी प्रतिश्ठा बनी रहे। व्यक्तिगत सन्तुश्टि के लिए इच्छाओं आकॉक्षाओं तथा जिम्मेदारियों की पूर्ति होना आवष्यक होता है। सभी 400 सेवानिवृत्त महिला न्यादर्षों से वर्तमान जीवन से उनकी सन्तुश्टि/असन्तुश्टि सम्बन्धी कारणों को जाना गया। अध्ययन की गई सभी 400 सेवानिवृत्त महिला न्यादर्षों से प्राप्त सन्तुश्टि/असन्तुश्टि के प्रसंग में तथ्यों पर निम्न तालिका 4(24) संक्षिप्त प्रकाष डालती है–

तालिका नं0 4(24): वर्तमान जीवन से सेवानिवृत्त महिलाओं की सन्तुश्टि/असन्तुश्टि सम्बन्धी कारण

क्रम	सेवानिवृत्त महिलाओं की वर्तमान जीवन से सन्तुश्टि/असन्तुश्टि सम्बन्धी कारण	आवृत्तियॉ	प्रतिषत
1	**सन्तुश्टि सम्बन्धी कारण :**		
	–काफी समय बाद परिवार के साथ रहना	72	18.00
	–आर्थिक सन्तुश्टि	60	15.00
	–व्यवसाय की सफलता	10	02.50
2	**असन्तुश्टि सम्बन्धी कारण :**		
	–समाज व परिवार के साथ सामंजस्य न हो पाना	30	07.50
	–आर्थिक असन्तुश्टि	180	45.00
	–मनोवांच्छित कार्य (बच्चों के विवाह, जॉब सैटिलमेन्ट) न हो पाना	48	12.00
	समस्त	400	100.00

इन प्राथमिक तथ्यों के विष्लेशण से स्पश्ट है कि अधिकांषतः सेवानिवृत्त महिला न्यादर्ष अपने वर्तमान पारिवारिक सामाजिक जीवन से असन्तुश्ट पायी गयी हैं जिसका कारण

उन्होंने सेवानिवृत्ति होने तक बच्चों के विवाह, जॉब सैटिलमेन्ट न हो पाना, आर्थिक असन्तुश्टि व परिवार के सदस्यों से सामंजस्य न कर पाना बताया। निम्न तालिका 4(25) सभी 400 सेवानिवृत्त महिलाओं की पूर्ण न हो पाने वाली इच्छाओं तथा आकॉक्षाओं पर संक्षिप्त प्रकाष डालती है–

तालिका नं0 4(25): सेवानिवृत्त महिला न्यादर्षों की पूर्ण न हो पाने वाली इच्छाएं/आकाँक्षाएं

क्रम	सेवानिवृत्त महिला न्यादर्षों की पूर्ण न हो पाने वाली आकॉक्षाएं/इच्छाएं	आवृत्तियॉ	प्रतिषत
1	देष सेवा न कर पाना	36	09.00
2	उच्च पद प्राप्त न कर पाना	55	13.75
3	आकॉक्षाएं अपूर्ण रह जाना	44	11.00
4	सेवानिवृत्त से पूर्व बच्चों के विवाह तथा जॉब सैटिलमेण्ट न कर पाना	239	59.75
5	कोई इच्छा अपूर्ण नहीं/सभी आकॉक्षाएं अपूर्ण	26	06.50
	समस्त	400	100.00

उक्त प्राथमिक तथ्यों के विष्लेशण के प्रकाष में स्पश्ट है कि सेवानिवृत्त महिलाओं में से 36(9:) न्यादर्षों ने देष सेवा न कर पाना, 55(13.75:) न्यादर्षों ने उच्च पद प्राप्त न कर पाना, 44(11:) न्यादर्षों ने आकॉक्षाएं अपूर्ण रह जाना, 239(59.75:) न्यादर्षों ने सेवानिवृत्ति से पूर्व बच्चों के विवाह व जॉब सैटिलमेन्ट न हो पाना तथा मात्र 26(6.50:) न्यादर्षों ने सभी इच्छाएं तथा आकॉक्षाएं अपूर्ण होना बताया। निम्न तालिका 4(26) सभी 400 सेवानिवृत्त महिला न्यादर्षों की वर्तमान जिम्मेदारियों (उत्तरदायित्वों) पर संक्षिप्त प्रकाष डालती है–

तालिका नं0 4(26): सेवानिवृत्त महिला न्यादर्षों की जिम्मेदारियों

क्रम	सेवानिवृत्त महिला न्यादर्षों की वर्तमान में जिम्मेदारियॉ	न्यादर्षों की संख्या	प्रतिषत
1	बच्चों की षिक्षा, विवाह तथा जॉब सैटिलमेन्ट	232	58.00
2	परिवार की देखरेख/सामंजस्य में समस्या	72	18.00
3	आवास निर्माण आदि	96	24.00
	समस्त	400	100.00

प्रस्तुत तालिका के प्राथमिक तथ्यों के विष्लेशण से स्पश्ट है कि 232(58:) सेवानिवृत्त महिला न्यादर्षों पर अभी अपने बच्चों की षिक्षा, विवाह तथा जॉब सैटिलमेन्ट की जिम्मेदारी

षेश है, अधिकांषतः सूचनादात्रीओं को सेवानिवृत्ति से पूर्व सेवारत जीवन में किसी प्रकार की कठिनाई का उन्हें अनुभव नहीं हुआ। मात्र 72 (18:) महिला न्यादर्ष ऐसी पाई गयीं जिन्हें परिवार के व्यक्तियों के साथ सामंजस्य में कठिनाई की अनुभूति हुई लेकिन इन न्यादर्षों ने इन कठिनाईयों का सामना करने के लिए स्वयं को पहले से ही तैयार कर लिया था जबकि 96(24:) न्यादर्षों के समक्ष आवास निर्माण की समस्या है। निम्न तालिका 4(27) सेवानिवृत्ति से पूर्व तथा बाद में सभी 400 महिला न्यादर्षों की स्वयं के बारे में धारणा पर संक्षिप्त प्रकाष डालती है–

तालिका नं0 4(27): सेवानिवत्ति से पूर्व तथा बाद में सेवानिवृत्त महिला न्यादर्षों की स्वयं के विशय में धारणा

क्रम	न्यादर्षों के स्वयं के बारे में विचार मैं सोचती थी/सोचती हूँ कि	सेवानिवृत्ति से पूर्व					सेवानिवृत्ति के पष्चात्				
		अ	ब	स	द	य	अ	ब	स	द	य
1	मुझमें अच्छे गुण हैं	248 ;62ण्00द्ध	152 ;38ण्00द्ध	..	..	..	188 ;47ण्00द्ध	212 ;53ण्00द्ध	..	..	..
2	मुझमें कोई ऐसी विषेशता है, जिस पर मुझे गर्व है	180 ;45ण्00द्ध	200 ;50ण्00द्ध	20 ;05ण्00द्ध	..	..	140 ;35ण्00द्ध	245 ;61ण्25द्ध	15 ;03ण्75द्ध	..	..
3	मैं एक अच्छी व्यक्ति हूँ	280 ;70ण्00द्ध	120 ;30ण्00द्ध	..	..	..	188 ;47ण्00द्ध	212 ;53ण्00द्ध	..	..	..
4	मैंने जीवन में जो कुछ भी किया, उससे मैं सन्तुश्ट हूँ	220 ;55ण्00द्ध	180 ;45ण्00द्ध	..	..	..	168 ;42ण्00द्ध	232 ;58ण्00द्ध	..	..	..
5	मैं अपने जीवन में पूर्ण सफल महिला हूँ	156 ;39ण्00द्ध	244 ;61ण्00द्ध	..	..	..	173 ;43ण्25द्ध	209 ;52ण्25द्ध	18 ;04ण्50द्ध	..	..

संकेताक्षर : सेवानिवृत्त महिलाओं में स्वयं के विशय में विभिन्न धारणाएं एवं उनके प्रति दृश्टिकोण/अभिमत

(अ) दृढ़ स्वीकार्य

(ब) स्वीकार्य

(स) तटस्थ

(द) दृढ़ अस्वीकार्य

(य) अस्वीकार्य

प्रस्तुत तालिका के तथ्य विष्लेशण से स्पश्ट है कि सभी न्यादर्ष यह मानती हैं कि उनमें कोई न कोई ऐसी विषेशता अवष्य है कि जिस पर उन्हें गर्व है, जबकि कुछ न्यादर्ष तटस्थ पायी गयी हैं। सभी न्यादर्ष यह मानती हैं कि मैं एक अच्छी व्यक्ति हूॅं। अधिकांषतः उत्तरदात्री यह मानती हैं व मानती थीं कि उन्होंने जीवन में जो कुछ किया उससे वे पूर्णतः सन्तुश्ट हैं; कुछ उत्तरदात्री ऐसी पायी गयी हैं जो अब इस बात को अस्वीकार करती हैं। सभी उत्तरदात्री यह मानती थी कि वे जीवन में पूर्ण सफल रही हैं लेकिन अब कुछ उत्तरदात्री यह अस्वीकार करती हैं। इस प्रकार यह पता चलता है कि अधिकांषतः सेवानिवृत्त महिलाएं स्वयं के बारे में अच्छी राय को; वे स्वीकार करती हैं। उल्लेखनीय है कि किसी भी उत्तरदात्री ने अपने बारे में किसी अच्छी राय को दृढ़ता से अस्वीकार नहीं किया।

KKKKKK

सन्दर्भ–सूची

1. डपजबीमसस ळण्क्ण ;1968द्ध । छमू क्पबजपवदंतल वि͘वबपवसवहलए त्वनजसमकहम ंदक ज्ञमहंद च्ंनस ;च्‌अजसण स्जकण्द्धए स्वदकवदए चण193ण
2. डंब प्‌अमत त्ण्डण – च्ंहम ब्ण्भ्ण ;1959द्ध ैवबपवसवहलए डब.डपससंद – ब्वण स्वदकवदए चण243ण
3. ठनतहमे म्ॅण ;1953द्ध जीम थ्ंउपसलए ।उमतपबंद ठववा ब्वण छमू ल्वताए चण8ण
4. डपजबीमसस ळण्क्ण ;1968द्ध । छमू क्पबजवदंतल वि͘वबपवसवहलए त्वनजसमकहम – ज्ञमहंद च्ंनसए स्वदकवदए चण193.194ण
5. ब्वससउमद श्रण्ब्ण ;1969द्ध ।इदवतउंस च्ेलबीवसवहल – डवकमतद स्पमिय क्ण्ठण ज्तं च्वतूंस –ैवदे च्ंइण ब्वणए ठवउइंलए चण 656
6. ब्वससउमद श्रण्ब्ण ;1969द्ध प्इपकए चण 660ण

KKKKKK